आकाशवाणी शिमला

23.07.2025 / प्रादेशिक समाचार / 11:00बजे

केंद्रीय दल

हिमाचल प्रदेश में बार–बार बादल फटने की घटनाओं के कारणों का अध्ययन करने के लिए केंद्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का 5 सदस्यीय दल आज शिमला पहुंच रहा है। गृह मंत्रालय की ओर से गठित यह दल एक सप्ताह तक प्रदेश में बादल फटने की घटनाओं पर गहन अध्ययन करेगा। कर्नल के.पी.सिंह की अध्यक्षता वाले इस दल में सी.एस.आई.आर. रूड़की के मुख्य वैज्ञानिक डॉक्टर एस.के. नेगी, मंणिपुर विश्वविद्यालय के रिटार्यड जियोलॉजिस्ट अरूण कुमार, आई.आईटी.एम. रिर्सज सैंटर पुणे से विशेषज्ञ सुष्मिता और आई.आई.टी. इंदौरा से सिविल इंजीनियर नीलिमा शामिल है।

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने प्रदेश में बढ़ते नशे के प्रचलन पर चिंता व्यक्त की है। राज्यपाल ने कल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के 56वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देवभूमि हिमाचल में नशे पर चर्चा करना पड़े य़ह बेहद दुखद है.। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थानों में नशे जैसे विषय पर चिंतन की आवश्यकता है.।

राष्ट्रीय प्रसारण दिवस

आज राष्ट्रीय प्रसारण दिवस है। 1927 में इसी दिन देश में पहला रेडियो प्रसारण इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी के बॉम्बे स्टेशन से शुरू हुआ था। 8 जून, 1936 को भारतीय राज्य प्रसारण सेवा का नामकरण ऑल इंडिया रेडियो किया गया। वर्ष 1956 में राष्ट्रीय प्रसारक के लिए आकाशवाणी नाम अपनाया गया। वहीं 1957 में लोकप्रिय फिल्म संगीत के साथ विविध भारती सेवा शुरू की गई थी। आकाशवाणी वास्तव में अपने आदर्श वाक्य.–बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय पर खरा उतरते हुए जनता को सूचित करने, शिक्षित करने और उनका मनोरंजन करने में तत्पर है। इस बीच प्रसार भारती के अध्यक्ष नवनीत कुमार सहगल और मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव द्विवेदी ने राष्ट्रीय प्रसारण दिवस पर अपनी शुभकामनायें दी है। नवनीत सहगल ने कहा कि आज के डिजीटल युग में जहां सूचना की बाढ़ है वहीं आकाशवाणी की साफ मानवीय आवाज है।

अनुराग ठाकुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा है कि केंद्रीय विश्वविद्यालय देहरा पूरे हिमाचल प्रदेश के लिये बहुत बड़ा प्रोजेक्ट है। उन्होंने खेद जताया कि वर्ष 2009 में स्वीकृति के बाद अब 16 वर्ष बीत जाने के बावजूद भी यह विश्वविद्यालय किराए के एक अस्थायी परिसर में चल रहा है। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार ने इसके निर्माण के लिए 250 करोड़ रूपये के बजट को बढ़ा कर 500 करोड़ कर दिया मगर प्रदेश सरकार की उदासीनता और भूमि आबंटन में देरी, फारेस्ट क्लीयरेंस में कमी व अन्य कारणों से अभी भी इसका भवन नहीं बन पाया है। सांसद ने कल दिल्ली में संबंधित अधिकारियों के साथ निर्माण कार्यों की प्रगति के बारे में समीक्षा बैठक के बाद कहा कि सीयू देहरा परिसर को लेकर राज्य सरकार की उदासीनता छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

मौसम

प्रदेश के अधिकांश इलाकों में मॉनसून की वर्षा का क्रम थमने से लोगों को आज कुछ राहत मिली है और भारी वर्षा व भूस्खलन के कारण अवरूद्ध सड़कों को खोलने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। इसके अलावा राज्य के प्राकृतिक आपदा से प्रभावित क्षेत्रों में बिजली और पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयास भी किये जा रहे है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार प्रदेश में 2 राष्ट्रीय उच्च मार्गों सहित 3 सौ 83 सड़कें भूस्खलन से अवरूद्ध हैं। इसके अलावा 2 सौ 63 बिजली ट्रांसफार्मर और 2 सौ 20 पेयजल योजनाएं भी ठप्प पड़ी हैं। इस मानसून सीजन में अब तक राज्य में 135 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 34 लोग अभी भी लापता हैं। पौंग बांध मे आज सुबह जल स्तर एक हजार 338 फुट रिकार्ड किया गया है जिसके बाद भाखड़ा ब्यास मैनेजमैंट बोर्ड द्वारा बांध से पानी छोड़ने का निर्णय लिया गया है। बोर्ड ने व्यास नदी के साथ लगते क्षेत्रों और मंडी वासियों से सर्तकता बरतने की अपील की है। इस बीच कुल्लू जिला के आनी उपमंडल में भारी वर्षा के चलते सभी स्कूल, कॉलेज और शैक्षणिक संस्थान आज बंद रहेंगे। मौसम विभाग ने आज से 25 जुलाई तक प्रदेश में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है।